B - IV
2 - 29
Economy

भारत में ईक्विटी बाजार की संरचना

NIM : New Issue Market
या
Primary Market
प्राथमिक बाजार
↓
कंपनियों द्वारा लोगों से पूँजीएकत्र की जाती है।
↓
नई ईक्विटी का निर्गमन किया जाता है।
↓
- IPO
- FPO
- OFS
- Private Placement
- QIP
- Rights Issue

OIM : Old Issue Market
या
Secondary Market
द्वितीयक बाजार
↓
लोगों द्वारा तरलता प्राप्त की जाती है।
↓
पहले से जारी ईक्विटी का लेन-देन किया जाता है।
↓
Stock Market
- NSE
- BSE
- E.T.C

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

नोट :-

1- यदि कोई कंपनी पहली बार जनता के समक्ष ईक्विटी बेचने अर्थात offer करने का प्रस्ताव करती है तो इस प्रस्ताव को IPO (Initial Public Offer) कहते हैं।
उपर्युक्त सन्दर्भ में, संबंधित कंपनी द्वारा एक Prospectus जारी किया जाता है।

Scanned by CamScanner

जिसमें कंपनी के बारे में सभी महत्वपूर्ण सूचनाएं रहती हैं। इस Prospectus को तकनीकी रूप में DRHP (Draft Red Herrings prospectus) कहते हैं।

2. IPO के बाद में किसी भी कंपनी द्वारा लाये जाने वाले सभी Public offer को FPO - follow-on/further Public offer कहते हैं।

3. OFS (offer for Sale) एक प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक निर्गमन होता है।

यह एक दिन में पूरा हो जाता है इसलिए यह एक fast track Issue होता है। भारत सरकार कई बार विनिवेश के लक्ष्य को शीघ्र पूरा करने के लिए इसका प्रयोग करती है। यह ध्यान देने योग्य है कि विनिवेश के Minority sale मॉडल के अंतर्गत IPO, FPO, ETF और Buy Back के अलावा सरकार OFS का प्रयोग भी करती है।

4. Private Placement :- इसके अन्तर्गत एक कंपनी Public offer लाने के बजाय कुछ चयनित निवेशकों को अपनी इक्विटी बेच देती है।

5. QIP (Qualified Institutional Placement) के अंतर्गत एक कंपनी अपनी इक्विटी को Public offer के बजाय QIBs (Qualified Institutional Buyers) को बेच देती है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

Scanned by CamScanner

6. Rights Issue :- इसमें भागीदारी वे निवेशक ही कर सकते हैं जिनके पास पहले से ही संबंधित कंपनी की ईक्विटी होती है।

Euro Issues (यूरो निर्गमन)

विदेशी मुद्रा में विदेशों से पूंजी जुटाने के लिए लाये जाने वाले निर्गमन।

भारतीय कंपनियों द्वारा निम्नलिखित Euro Issues का प्रयोग किया जाता है -

(i) ADR
(ii) GDR
(iii) FCCB

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

(i) ADR → American Depository Receipts

- अमेरिका में निकाले जाते हैं।
- अमेरिकन डालर में निकाले जाते हैं।

→ ईक्विटी पूँजी के लिए

(ii) GDR :- Global Depository Receipts

- Euro में लाये जाते हैं।
- European मुद्राओं में

→ ईक्विटी पूँजी के लिए

Scanned by CamScanner

FCCB = Foreign Currency Convertible Bonds

↓ विदेशों में | ↓ विदेशी मुद्राओं में

ऋण पूँजी के लिए

Note:-

Masala Bonds Euro Issue के दायरे में नहीं आते क्योंकि वे निकाले तो विदेशों में जाते हैं लेकिन RDBs (Rupee Denominated Bonds) होते हैं अर्थात वे घरेलू मुद्रा में होते हैं।

KGS KHAN GLOBAL STUDIES IAS Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

Euro Issues by foreign companies in India

↓

IDR / BhDR

[Indian/Bharat Depository Receipts]

↓ भारत में | ↓ रुपये में

इक्विटी पूँजी

Scanned by CamScanner